1

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

समस्त देशवासियों को प्रकाशकोत्सव

दीपावली

की हार्दिक शुभकामनाएँ

वर्ष 44, अंक 50 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 25 अक्तूबर, 2021 से रविवार 31 अक्तूबर, 2021
विक्रमी सम्वत् 2078 सृष्टि सम्वत् 1960853122
दयानन्दाब्द : 198 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
दूरभाष: 23360150 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें - www.thearyasamaj.org/aryasandesh

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर सुनियोजित हमले से विश्व व्यापी आर्य समाज में रोष

आर्यसमाज के वैश्विक संगठन सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ने की हमलों की कड़ी निन्दा

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मन्त्री श्री एस. जयशंकर एवं बंगलादेश के राजदूत को हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने मांग के साथ-साथ दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने के लिए दिया ज्ञापन

बांग्लादेश में मुस्लिम सम्प्रदाय द्वारा हिन्दुओं पर हमले को लेकर विश्व व्यापी संगठन आर्य समाज में रोष व्याप्त है, आर्य समाज की शिरोमणि संस्था सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेश चंद्र आर्य जी ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हुए सुनियोजित षडयंत्रकारी हमले को लेकर भारत सरकार से बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की अपील और आग्रह करते हुए कहा कि पिछले दिनों बांग्लादेश में हिन्दुओं के बड़े-बड़े मंदिरों के पंडालों को जलाया गया, स्त्री, पुरुष और बच्चों को बेरहमी से मारा गया, यह सब घृणित और निन्दनीय कृत्य अमानवीय और असहनीय है। बांग्लादेश में हुए इस नरसंहार और हिन्दुओं की आस्था पर प्रहार से संपूर्ण विश्व में हिन्दू समाज आहत और दुखी हुआ है। हिन्दुओं के पवित्र त्यौहार नवरात्र एवं दुर्गा पूजा के अवसर पर अचानक घटित इस दुर्दांत पीड़ादायक घटना से वहां रह रहे अल्पसंख्यक हिन्दू समाज में भय, दुःख और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इस अत्यंत निन्दनीय और इस अमानवीय कृत्य के लिए आर्य समाज इसकी घोर निंदा और भर्त्सना करता है, वहां पर न केवल हिन्दुओं का कत्लेआम किया गया बल्कि छोटी-छोटी बच्चियों के साथ बलात्कार की घटनाएं भी सामने आई हैं। ऐसी भयावह इस स्थिति में वहां पर रहने वाले हिन्दू समुदाय के सामने आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे जाएं तो जाएं कहां? ऐसे में भारत सरकार को शीघ्र अति शीघ्र बांग्लादेश सरकार से बात करके हिन्दुओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करना चाहिए। आदरणीय प्रधान जी ने संपूर्ण भारत की आर्य प्रतिनिधि सभाओं से भी

- शेष पृष्ठ 3 पर

स्थापित : १९०८ ।। ओ३म् ।।
रजिस्टर्ड : १९१४ Email : aryasabha@yahoo.com

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
Sarvadeshik Arya Pratinidhi Sabha
(International Arya League)
पंजीकृत कार्यालय :- महर्षि दयानन्द भवन, 3/5, रामलीला मैदान, नई दिल्ली-110002
पत्र व्यवहार कार्यालय :- 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 टैलिफैक्स : 011-23360150, 23365959

संख्या 2021-22/190/सार्व.सभा दिनांक 18 अक्तूबर, 2021

सेवा में,
माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी
प्रधानमन्त्री, भारत सरकार,
7 लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली

विषय : बांग्लादेश में हिन्दू विरोधी कट्टरपंथियों द्वारा की जा रही जघन्य हिंसा

मान्यवर,
संपूर्ण विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय एवं भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को सादर नमस्ते। यह पत्र आपको विश्व की समस्त आर्य समाजों की शिरोमणि संस्था 'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' द्वारा बांग्लादेश में हिन्दू विरोधी कट्टरपंथियों द्वारा निरंतर की जा रही जघन्य हिंसा के संबंध में

- शेष पृष्ठ 3 पर

कृपया ध्यान दें

विश्व की समस्त आर्यसमाजें इस दीवाली **गुरुवार 4 नवम्बर, 2021** को अपने-अपने स्थानों पर करें

"महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 138वें निर्वाण दिवस" के अवसर पर

हवन-यज्ञ, भजन, सत्संग, दीपमाला, रोशनी, भजन-संध्या, प्रेरणा सभा आदि विशेष आयोजन

सार्वदेशिक सभा की सेवा ईकाई अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ ने सेवा कार्यों में बढ़ाया एक और कदम

एक नए सेवा प्रकल्प - "महर्षि दयानन्द कौशल विकास परियोजना" का शुभारम्भ

जे.बी.एम. के नील फाउंडेशन के सहयोग से होगा युवाओं को शिक्षा के साथ रोजगार प्रशिक्षण देने का भी कार्य

अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के तत्वावधान में नील फांऊडेशन के सहयोग से आर्यसमाज रानी बाग दिल्ली में "कौशल विकास परियोजना" का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर जे.बी.एम. ग्रुप के चेयरमैन व अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कुमार आर्य ने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों में विद्यार्थियों को रहन-सहन, खान-पान व अन्य सुविधाएं देकर

- शेष पृष्ठ 7 पर

महर्षि दयानन्द भारत के युवाओं को स्वावलम्बी बनाना चाहते थे, उन्हीं के बताए मार्ग का अनुसरण है यह प्रकल्प

- सुरेन्द्र कुमार आर्य, प्रधान, अखिल भारतीय दयानन्द सेवा श्रम संघ
चेयरमैन, जे.बी.एम. ग्रुप ऑफ कम्पनीज

उपयुक्त प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के पश्चात् व्यापार शुरु करने के लिए दिया जाएगा ब्याजमुक्त लोन

कौशल विकास परियोजना शुभारम्भ कार्यक्रम के अवसर पर मंचस्थ सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी, अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ के महामन्त्री श्री जोगेन्द्र खट्टर, कोषाध्यक्ष श्री योगेश आर्य एवं जे.बी.एम. तथा नील फाउंडेशन के अधिकारी और आर्य गुरुकुल रानी बाग व कन्या गुरुकुल सैनिक विहार के छात्र-छात्राएं

देववाणी-संस्कृत

प्रभो! हमारे बन्धनों को शिथिल कर

वेद-स्वाध्याय

उदुत्तमं वरुण पाशमस्मदवाधमं वि मध्यमं श्रथाय।
अथा वयमादित्य व्रते तवानागसो अदितये स्याम।। ऋ॰ 1/24/25
ऋषिः **शुनःशेपो देवरातः।।** देवता-**वरुणः।।** छन्दः **त्रिष्टुप्।।**

शब्दार्थ- वरुण = हे पापनिवारक देव! तू **अस्मत्** = हमारे **उत्तमं पाशं उत्** = उत्तम बन्धन को ऊपर की ओर और **मध्यमं वि** = मध्यम बन्धन को बीच में तथा **अधमं अव** = अधम बन्धन को नीचे की ओर **श्रथाय** = ढीला कर दे **अथ** = जिससे, इन बन्धनों के टूटने से **आदित्य** = हे प्रकाशमय बन्धनरहित देव! **वयं तव व्रते** = हम तेरे नियमों में रहते हुए **अनागसः** = पापरहित होकर **अदितये** = बन्धन-रहित, स्वतन्त्रता, मुक्ति के लिए योग्य **स्याम** = हो जाएँ।

विनय- हे पापनिवारक देव! तूने हमें तीन बन्धनों से बाँध रखा है। उत्तम बन्धन हमारे सिर में हैं, जिससे हमारा आनन्द और बुद्धि बँधे हुए हैं, ढके हुए हैं, रुके हुए हैं। यह सत्त्वगुण का (कारण शरीर का) बन्धन कहा जा सकता है। हृदयस्थ मध्यम बन्धन से हमारा मन और सूक्ष्म प्राण बँधे हुए हैं। यह रज और सूक्ष्म शरीर का बंधन है। नाभि से नीचे तमोगुण और स्थूल शरीर का अधम बंधन है, जिससे हमारा स्थूल प्राण और स्थूल शरीर बँधा हुआ है। हे वरुण! इनसे बँधे रहने के कारण हमसे तेरे नियमों का भङ्ग होता रहता है और हम पापी बनते रहते हैं। उत्तम बन्धन द्वारा, सच्चा ज्ञान न मिलने से; मध्यम द्वारा राग-द्वेष, काम-क्रोध आदि के वशीभूत होने से; और अधम द्वारा, शरीर से त्रुटियुक्त कार्य करने से हम पापी बनते हैं। हे देव! तू हमारा उत्तम पाश ऊपर की ओर खोल दे, जिससे कि मेरी बुद्धि का द्युलोक के साथ सम्बन्ध स्थापित हो जाए और मुझमें सत्य-ज्ञान का प्रवेश होने लगे। मध्यम पाश को बीच से खोल दे जिससे अन्तरिक्षलोक के समुद्र में मेरे मन के प्रविष्ट हो जाने से इसके राग-द्वेषादि मल धुल जाएँ तथा मेरा मन सम हो जाए और अधम पाश को नीचे गिरा दे जिससे मेरे पार्थिव शरीर के सब कलुषित परमाणु पृथिवीतत्त्व में लीन हो जाएँ और हमारा शरीर नीरोग, स्वस्थ तथा निर्दोष होकर प्रभु के कार्य कर सके। हे प्रकाशमय बन्धनरहित देव! इन बन्धनों के टूट जाने पर हम तेरे व्रत में रह सकेंगे, हमसे तेरे नियमों का भङ्ग होना बन्द हो जाएगा। अन्त में मैं 'अदिति' (मुक्ति) के ऐसा योग्य हो जाऊँगा कि एक दिन आयेगा जबकि मेरा आत्मा स्थूल शरीर रूपी बन्धन को नीचे पृथिवी पर छोड़कर और मानसिक सूक्ष्म शरीर को अन्तरिक्ष में लीन करके अपने ऊपरी बन्धन के भी टूट जाने से ऊपर-द्युलोक-को प्राप्त हो जाएगा। बिना इन तीन बन्धनों के ढीले हुए मैं मुक्ति की ओर कैसे जा सकता हूँ? इसलिए, हे वरुण! इन बन्धनों को एक बार खोल दो-तनिक ढीला कर दो-जिससे कि मेरा मार्ग साफ हो जाए और मैं यत्न करता हुआ तेरे व्रत में रहने वाला निष्पाप, मोक्षाधिकारी हो जाऊँ।

-: साभार :-
वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

बांग्लादेश की घटना पर कथित उदारवादी कहां गए???

बांग्लादेश में दर्जनों लोगों की हत्या, दर्जनों लापता, दो दर्जन से अधिक महिलाओं के साथ रेप और 200 के करीब पूजा पंडाल-मंदिरों पर हमले के बाद इस्लामिक सहयोग संगठन और भारत के तमाम सेकुलर नेता गायब से हो गये हैं। जबकि वहां हलात इतने भयानक हैं कि एक बारगी दानवता भी शर्मशार हो जाये। बांग्लादेश के हाजीगंज और चांदपुर में मुस्लिम कट्टरपंथियों ने एक पूरे हिन्दू परिवार के साथ रेप किया। इस्लामिक हैवानों ने मां-बेटी और उनकी 10 साल की भतीजी को अपनी हवस का शिकार बनाया। इस लूटपाट बलात्कार हिंसा के बाद हर बार की तरह वही ढोंग, वही नाटक, वही आरोप, कि कुरान का कथित अपमान कर दिया था!

अफगानिस्तान में शियाओं की मस्जिदें बमों से उड़ाई जा रही हैं क्योंकि वे सुन्नी नहीं हैं। कश्मीर में जिहाद के नाम पर हिन्दुओं का चुन-चुनकर कत्लेआम किया जा रहा है, क्योंकि वे पाकिस्तान परस्त नहीं हैं। बांग्लादेश में तो जब-जब कट्टरपंथियों के घर दाल-चावल खत्म हो जाते हैं तब-तब आसमानी किताब के कथित अपमान का ढोंग किया जाता है, एक फेसबुक पोस्ट कर दी जाती है और हिन्दुओं के घर, दुकान, मकान और महिलाओं की आबरू लूट ली जाती है। ऐसा एक बार नहीं कई बार पहले भी हो चुका है। 2019 में भी ऐसा ही ड्रामा करके लूट-पाट की थी। अबकी बार तो इस बात को खुद वहां के गृहमंत्री ने मान लिया है कि ऐसा लगता है कि इसे एक निहित समूह ने भड़काया है।

इस बार भी वही स्क्रिप्ट लागू की, जो हर बार होती है। कमाल तो तब हुआ जब वहां की प्रधानमंत्री शेख़ हसीना ने भारत सरकार से कहा कि भारत में ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए, जिससे उनके मुल्क के मुसलमान और भड़क जाये। यानि तुम किसी मुसलमान को कुछ मत कहना वरना इसका बहाना बनाकर और अधिक लूट-पाट होगी। जबकि इस बार बांग्लादेश में दुर्गा पूजा से पहले ही हिन्दुओं पर हमले शुरू हो गए थे। कई जिलों में दुर्गा प्रतिमा के तैयार होने के दौरान ही कट्टरपंथियों ने खंडित कर दिया था। इसके बाद लुटेरो की भीड़ ने चांदपुर के हाजीगंज, चट्टोग्राम के बंशखली और कॉक्स बाजार के पेकुआ में हिन्दू मंदिरों और पांडालों पर हमला किया। नोआखाली के बेगमगंज में एक पूजा पंडाल में आग और चांदपुर के हाजीगंज में झड़प के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हुई है।

बताया जा रहा है ये कुछ कट्टरपंथी है जो ऐसा कर रहे हैं बाकि तो बांग्लादेश में सब शांतिप्रिय और धर्मनिरपेक्ष मुस्लिम हैं। यानि वही डायलॉग जो भारत में दोहराया जाता है। लेकिन सवाल कट्टरपंथी का नहीं है। सवाल है इन उदारवादियों पर इन सेकुलर मुस्लिमों पर, जो सबसे बड़े ढोंगी हैं। एक मुस्लिम को खरोंच आ जाये ये सबसे पहले उबलते हैं। याद होगा पहलु खां, अख़लाक़ और जुनेद का मामला! संयुक्त राष्ट्र तक ड्रामा बनाया था इन लोगों ने। किसी को यहाँ डर लगने लगा था तो कोई देश छोड़ने की बात करने लगा था। क्या अभी तक इन ढोंगियों के ट्वीट आये? पूछो इनसे कि बांग्लादेश का हिन्दू कैसे जीता होगा?

इसके अलावा जब कट्टरपंथी तबका किसी नार्वे में आग लगाता है। किसी फ्रांस को जलाता है। किसी वर्ल्ड ट्रेड सेंटर को तबाह करता है। दिल्ली, मुम्बई , जयपुर, हैदराबाद में सिलसिलेवार धमाके होते हैं। हजारों लोग मारे जाते हैं। तब ये खामोश हो जाते हैं, शांति से बैठ जाते हैं। कहते हैं कि आतंक का कोई मजहब नहीं होता। यानि आप किसी भी देश में देख लीजिये उदारवादी करते क्या हैं? क्या आजतक किसी देश में कट्टरपंथ के खिलाफ रैली निकाली? मदरसों पर सवाल उठाया? इस्लामिक जिहाद के खिलाफ सामने आये? अब बांग्लादेश में पिछले हफ्तों से हिन्दुओं के साथ तबाही मचा जा रही है लेकिन आपको ये लोग अब दिखाई नहीं देंगे। ऐसे कई सवाल हैं जिनका जवाब ये लोग नहीं देंगे। उल्टा सवाल पूछने वाले पर इस्लामीफोबिया का टेग लगा देंगे। जबकि इनकी भीड़ में वो आसानी से छुपकर हमला करते हैं और कहीं ना कहीं ये उनकी विचारधारा और कृत्य को मौन स्वीकृति देते हैं।

4 नवंबर 1972 को स्वीकार किए गए नए संविधान में बांग्लादेश ने खुद को एक धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, लोकतांत्रित देश घोषित किया था। लेकिन 7 जून 1988 आते आते धर्मनिरपेक्ष ख़त्म और खुद को एक इस्लामिक राष्ट्र घोषित कर दिया। इस घोषणा का सीधा सा जवाब ये था कि अब बाकि के जैन-बौद्ध, सिख, हिन्दू तुम्हारे लिए यहाँ कोई जगह नहीं है। ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि आंकड़े इसके गवाह है। वर्ष 1961 तक वहां 18.5 फीसदी हिन्दू थे। पाकिस्तान आर्मी द्वारा 30 लाख से अधिक हिन्दुओं का नरसंहार किया गया। नया बांग्लादेश बना। 1974 में फिर संख्या आंकी गयी तो 13.5 फीसदी हिन्दू बचे थे। इसके बाद वर्ष 1981 में फिर गिनती की गयी तो 12.1 फीसदी हिन्दू रह गये थे। - *शेष पृष्ठ 7 पर*

.....4 नवंबर 1972 को स्वीकार किए गए नए संविधान में बांग्लादेश ने खुद को एक धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, लोकतांत्रित देश घोषित किया था। लेकिन 7 जून 1988 आते आते धर्मनिरपेक्ष ख़त्म और खुद को एक इस्लामिक राष्ट्र घोषित कर दिया। इस घोषणा का सीधा सा जवाब ये था कि अब बाकि के जैन-बौद्ध, सिख, हिन्दू तुम्हारे लिए यहाँ कोई जगह नहीं है। ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि आंकड़े इसके गवाह है। वर्ष 1961 तक वहां 18.5 फीसदी हिन्दू थे। पाकिस्तान आर्मी द्वारा 30 लाख से अधिक हिन्दुओं का नरसंहार किया गया। नया बांग्लादेश बना। 1974 में फिर संख्या आंकी गयी तो 13.5 फीसदी हिन्दू बचे थे। इसके बाद वर्ष 1981 में फिर गिनती की गयी तो 12.1 फीसदी हिन्दू रह गये थे। साल 1991 में साढ़े दस फीसदी हिन्दू पाए गये। 2001 में 9.3 फीसदी 2011 में साढ़े आठ फीसदी हिन्दू बचे थे। अब 2021 में जैसे ही गणना होगी तो बमुश्किल 5 फीसदी मिलेंगे।.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

आर्यसमाज के वैश्विक संगठन सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ने की हमलों की कड़ी .....

आग्रह किया कि सभी सभाएं बांग्लादेश की एंबेसी को लिखित में वहां पर रहने वाले हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए ज्ञापन दें और मुस्लिम समुदाय द्वारा हिन्दुओं के ऊपर किए गए इस असहनीय प्रहार की कड़े शब्दों में निन्दा व्यक्त करें।

सार्वदेशिक सभा के इस आदेश पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से बांग्लादेश देश दूतावास को एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमें बांग्लादेश में हुए इस अमानवीय घटनाक्रम की घोर निन्दा की गई । हिन्दुओं की आस्था पर चोट करने वाली, उनके घरों को जलाने वाली, उनके मन्दिरों तथा पंडालों को जलाने और तोड़ने वाले इन तमाम कुत्यों को करने वाले साम्प्रदायिक लोगों के ऊपर कठोर कार्यवाही की मांग की गई , इस भयावह हमले को लेकर दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने कहा कि इस तरह की पीड़ादायक वारदात से सम्पूर्ण हिन्दू समाज आहत हुआ है, आर्य समाज सदा हिन्दू समाज का सजग प्रहरी रहा है, हिन्दुओं के ऊपर हुए निन्दनीय हमले को बर्दाश्त करना हमारी क्षमता से बाहर है, अत: भारत सरकार बांग्लादेश सरकार से बातचीत करके तुरंत कोई ठोस कड़ी कार्यवाही करने का उपाय करे, जिससे वहां रह रहे हिन्दू समुदाय में अपने धर्म, संस्कृति और संस्कारों पर भरोसा कायम रह सके। सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी ने बांग्लादेश में हुए हिन्दुओं पर हमले में मारे गए लोगों की आत्माओं की शांति, सदगति की ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि ईश्वर इन धर्मान्ध लोगों को सद्बुद्धि दे, जससे ये मानवता के भक्षक न बनें, निरपराध लोगों की जान के प्यासे न बनें, इन्हें कानून के अनुसार उचित दंड मिले, जिससे बांग्लादेश सहित सम्पूर्ण विश्व में जो अराजकता का वातावरण ये लोग निर्मित कर रहे हैं, हिन्दू समाज के खिलाफ नफरत का माहौल बना रहे हैं उससे ये बाज आएं। महामंत्री जी हिन्दुओं को भी जागृति का सन्देश देते हुए कहा कि हिन्दुओं को भी समय रहते जागना होगा,अपने अस्तित्व की रक्षा स्वंय करनी होगी, अपनी एकता बनाने के लिए कार्य करना होगा, हमें अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेनी होगी, तभी इन घटनाओं पर लगाम लगाने में कामयाबी मिलेगी।

ज्ञात हो कि बंगलादेश में हिन्दुओं के मुख्य त्यौहार दुर्गा पूजा पर 13 अक्टूबर से शुरू हुई हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। बांग्लादेश के कोमिल्ला में दुर्गा पूजा पंडालों में हमले के बाद रविवार को रंगपुर के उपजिला पीरगंज में हिन्दुओं के घरों को आग लगाने का मामला सामने आया है।

बांग्लादेश के मीडिया हाउस ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, ये घटना पीरगंज के एक गांव रामनाथपुर यूनियन में माझीपारा के जेलपोली में घटी है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उपद्रवियों ने 65 हिन्दुओं के घरों को आग के हवाले कर दिया है। वहीं, बांग्लादेश के गृह मंत्रालय की ओर से हिंसा प्रभावित जिलों के पुलिस प्रमुखों के तबादले की बात कही जा रही है।

सोशल मीडिया पोस्ट से फिर भड़की हिंसा

पुलिस के मुताबिक, ये मामला भी सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा हुआ है और एक हिन्दू शख्स के फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट के बाद ही तनाव पैदा हो गया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इस युवक को तो सुरक्षा मुहैया कराते हुए उसके घर को तो सुरक्षित कर लिया लेकिन उपद्रवियों ने उसी लोकेशन में आसपास के घरों में आग लगा दी। इस मामले में ढाका ट्रिब्यून के अध्यक्ष मोहम्मद सादकुल इस्लाम के अनुसार, उपद्रवी जमात-ए-इस्लामी और छात्र शाखा इस्लामी छात्र शिविर की स्थानीय इकाई के थे। जिनके बारे में दावा किया जा रहा है कि वे पीरगंज के हैं। इस वीडियो में गांव में घरों को जलाते हुए और पुलिस हमलावरों से भिड़ते हुए देखी जा सकती हैं। आगजनी के तुरंत बाद पुलिस और हमलावरों के बीच झड़प और भागदौड़ भी देखी जा सकती है। हालांकि ढाका ट्रिब्यून ने इन वीडियो की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं की है।

दुर्गा पूजा पंडालों में हमले पर बांग्लादेशी पीएम ने दी थी तीखी प्रतिक्रिया

गौरतलब है कि कोमिल्ला में दुर्गा पूजा के पंडालों में हमले करने के चलते दर्जनों लोगों को अरेस्ट किया गया है। दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ ही 10 दिनों तक चलने वाले इस त्यौहार का समापन भी हो चुका है। दुर्गा पूजा के घरों में सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम बढ़ाया गया था और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ट्रूप्स के सैनिकों को बांग्लादेश के कई जिलों में भेजा गया था। बता दें कि इन साम्प्रदायिक हिंसा में चांदपुर के हाजीगंज में पूजा स्थलों पर हमले के दौरान पुलिस की गोलीबारी में कम से कम चार लोग मारे गए, जबकि नोआखली के चौमुहानी में शुक्रवार को हिन्दू मंदिरों पर हुए हमले में दो लोगों की मौत हो गई। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से लेकर गृहमंत्री तक इन हमलों की तीखी आलोचना कर चुके हैं और इन्हें देश को अस्थिर करने की साजिश करार दे चुके हैं।

गौरतलब है कि बीते बुधवार को बांग्लादेश में चांदीपुर के हाजीगंज उपजिला में दुर्गा पूजा समारोह के दौरान भड़की साम्पदायिक हिंसा में 3 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 60 लोग घायल हो गए। इस दौरान चटगांव के बांसखाली, कॉक्स बाजार के पेकुआ और शिवगंज के चापा नवाबगंज समेत कुल 80 से अधिक स्थानों पर हमले किए गए, जिससे बांग्लादेश में अशांति फैल गई और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश BGB के जवानों, पुलिस और RAB की बड़ी टुकड़ियों को तैनात करना पड़ा है। हिंसक झड़पों के बाद चांदपुर, कॉक्स बाजार, बंदरबन, सिलहट, चटगांव और गाजीपुर में स्थिति गंभीर बनी हुई है।

स्थापित : १९०८ ।। ओ३म् ।। Email : aryasabha@yahoo.com
रजिस्टर्ड : १९१४

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
Sarvadeshik Arya Pratinidhi Sabha
(International Arya League)

पंजीकृत कार्यालय :- महर्षि दयानन्द भवन, 3/5, रामलीला मैदान, नई दिल्ली-110002
पत्र व्यवहार कार्यालय :- 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 टैलिफैक्स : 011-23360150, 23365959

संख्या..... दिनांक.....

-: 2 :-

प्रेषित किया जा रहा है। जिस देश का जन्म भारत की कृपा से हुआ, जिस देश को 1971 में भारत वर्ष की बदौलत नया अस्तित्व और नया स्वरूप प्राप्त हुआ, उसी देश में हिन्दू समुदाय पर समय-समय पर अत्यंत अमानवीय एवं निन्दनीय अत्याचार होते रहे हैं। इस बार भी दुर्गा पूजा के दौरान कट्टरपंथी तत्वों द्वारा 'कुरान का अपमान करने' का बहाना लेकर बड़े-बड़े मन्दिरों में दुर्गा देवी की मूर्तियों को तोड़ दिया गया, पंडालों में आग लगा दी गई, हिन्दू स्त्रियों-पुरुषों तथा बच्चों को मारा-पीटा गया और बहुतों की दर्दनाक हत्या कर दी गई।

इतना ही छोटी-छोटी मासूम बच्चियों के साथ तथा परिवार की मां-बहनों के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और यह कुकृत्य अभी भी जारी है। हिन्दू समुदाय से प्राप्त सूचना के अनुसार कल भी रंगपुर जिले में पीरगंज क्षेत्र में हिन्दुओं के साथ 60-70 घरों को लूट लिया गया और उनके साथ बुरी तरह मारपीट की गई। आश्चर्य इस बात का है कि जिस क्षेत्र में घटना घटी है वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का चुनाव क्षेत्र है।

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों द्वारा किए जा रहे इस अमानवीय, असहनीय, अक्षम्य और घृणित कुकृत्य से विश्व का समस्त हिन्दू समुदाय अत्यंत अचंभित, स्तब्ध और दु:खी है। हिन्दू पीड़ितों द्वारा की जा रही सहायता की पुकार को बांग्लादेश की पुलिस द्वारा निरंतर अनसुना किया जा रहा है। लूट, मारपीट और मौत के डर से अत्यंत भयभीत हिन्दू स्त्री-पुरुष और बच्चे अपने आपको पूरी तरह असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि बांग्लादेश की सरकार भी मौन धारण कर बैठी हुई है।

आर्य समाज मानव अधिकारों की सुरक्षा का हमेशा पक्षधर रहा है। अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी धर्म अथवा जाति का हो, उसके मानव अधिकारों की सुरक्षा प्रत्येक देश की सरकार का प्रथम कर्तव्य है। हमें गर्व है कि भारत एक ऐसा देश है जहां अल्पसंख्यक समुदाय सबसे अधिक सुरक्षित है और अपने सभी अधिकारों का पूरा लाभ उठाते हैं। लेकिन बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में स्थिति बिल्कुल विपरीत एवं दयनीय है।

मान्यवर, आप भारत देश के गौरव हैं। भारत के हर राष्ट्रप्रेमी नागरिक को आप पर नाज है। आप भी सुनिश्चित रूप से बांग्लादेश की घटनाओं से चिन्तित होंगे। आर्य समाज आपसे विनम्र अपील करता है कि-

1. बांग्लादेश के हिन्दू अल्पसंख्यकों की जान-माल की सुरक्षा शीघ्रतिशीघ्र सुनिश्चित हो।
2. कट्टरपंथियों द्वारा उन पर किए जा रहे अमानवीय अत्याचार तुरन्त बन्द हों।
3. जिन हिन्दू भाई-बहनों की दर्दनाक हत्या की गई है उनके परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।
4. हिन्दू अल्पसंख्यकों की लूटी हुई तथा जलाई गई, दुकानों का उचित मुआवजा उन्हें सरकार द्वारा दिया जाए।
5. तोड़े गए मंदिरों व मूर्तियों का पुनर्निर्माण करवाया जाए।
6. इस प्रकार की निन्दनीय घटनाओं की भविष्य में पुनरावृत्ति न हो।
7. सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा प्राप्त हो।

आप एक विश्व विख्यात नेता हैं, बांग्लादेश की सरकार आपकी हर बात पर पूरा ध्यान देगी, ऐसा हमारा दृढ़ विश्वास है। आपके प्रयासों से बांग्लादेश में शीघ्र ही हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार थम जाएंगे, ऐसी आशा और विश्वास के साथ,

भवदीय

(सुरेश चन्द्र आर्य)
प्रधान, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली

दशहरे के अवसर पर सेवा बस्तियों के बीच सम्पन्न हुआ विशाल यज्ञ

101 कुण्डीय यज्ञ, भजन संध्या में लगातार वर्षा के बावजूद श्रद्धा के चलते डटे रहे श्रद्धालु : सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से दी प्रेरणा

17 अक्तूबर रविवार को क्लस्टर कालोनी कीर्तिनगर में 101 कुण्डीय यज्ञ एवं भजन संध्या और आर्य वीरों एवं वीरांगनाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान आदरणीय श्री धर्मपाल आर्य जी, विशेष आमंत्रित अतिथि आर्य समाज कीर्तिनगर के प्रमुख संरक्षक श्री शिव भगवान लाहोटी जी, संरक्षक श्री सुरेन्द्र बुद्धिराजा जी, आर्य समाज कीर्ति नगर के कार्यवाहक प्रधान श्री जितेंद्र खरबंदा जी एवं स्त्री आर्य समाज की मंत्राणी श्रीमती आरती खुराना जी तथा आर्य वीर दल कीर्ति नगर के अधिष्ठाता श्री प्रवीण आर्य जी उपस्थित रहे। सभी महानुभावों ने उचित मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान कर कार्यक्रम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने यज्ञ की महिमा पर प्रकाश डालते हुए मानवमात्र को यज्ञ करने का संदेश दिया, उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम द्वारा यज्ञ की रक्षा का वर्णन करते हुए कहा कि हमारे सभी पूर्वज प्रतिदिन यज्ञ करते थे, यज्ञ करना सभी मनुष्यों का सबसे बड़ा कर्तव्य है, यज्ञ से रोग, शोक, कष्ट, क्लेश, भय पीड़ा और सन्ताप नष्ट होते हैं। प्रधान जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्श जीवन जे जुड़े बिन्दुओं का वर्णन करते हुए, मातृ-पितृ भक्ति, मर्यादा पालन की बात कही, और उनके आदर्शों पद चिन्हों पर चलने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भजन संध्या

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के मार्गदर्शन एवं आर्य समाज कीर्ति नगर के तत्त्वावधान में आयोजित हुआ समारोह

के साथ हुआ। जिसमें भज़नोपदेशक आचार्य राजवीर शास्त्री जी एवं श्री सत्यप्रिय शास्त्री जी ने सुंदर मधुर भजनों से लोगों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। भजनों के उपरांत क्लस्टर कालोनी के सैंकड़ो स्त्री पुरुषों और बच्चों ने मिलकर एक साथ यज्ञ किया। यज्ञब्रह्मा आचार्य शिवा शास्त्री जी ने सुंदर तरीके से यज्ञ करवाया, जिसमे सहयोगी में श्री दिनेश शास्त्री जी ने उनका साथ दिया। यज्ञ के बाद क्लस्टर की ही आर्य वीरांगनाओं ने बहुत ही सुंदर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। आर्य वीर दल कीर्ति नगर के आर्य वीरों और वीरांगनाओं द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी के आदर्श जीवन को दर्शाती सबरी की भक्ति भावना पर आधारित नाटिका का मंचन किया गया। इस नाटक को देखकर उपस्थित जन समुदाय भावविभोर हो गया। आखिर में आर्य वीर दल कीर्ति नगर के आर्य वीरों द्वारा शक्ति प्रदर्शन का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। आर्यवीर दल के इस कार्यक्रम को देखकर लोग अपने बच्चों को आर्य वीर दल की शाखाओं मे भेजने के लिए प्रेरित हुए।

यह सर्वविदित है कि रविवार को दिल्ली में वर्षा हो रही थी, लेकिन कार्यक्रम के प्रति लोगों में अपार उत्साह था, यज्ञ के प्रति लगाव था, भजन संध्या के लिए इतनी निष्ठा थी कि लोग वर्षा होने के बाबजूद कार्यक्रम में सक्रिय रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में आर्य वीर दल के कर्मठ आर्यवीरों का सर्वश्री बिट्टू आर्य, राजकुमार आर्य, मनीष आर्य, अनिल आर्य, सुनील आर्य, ओम आर्य, कुंदन आर्य, खलील आर्य, तथा अन्य आर्यवीर हवन उत्थान समिति के सहयोगी जय भवानी संघ सहयोगी श्री नरेंद्र सिंह, अवधेश, प्रफुल, राजेश, निरंजन, हरीराम, रंजीत, कुंदन, गुड्डू गौतम, सोनू, सूरज, दिलीप,एवं समस्त साथियों का सराहनीय सहयोग रहा।

– राजू आर्य, संयोजक

– शेष पृष्ठ 7

MDH हवन सामग्री
मात्र 90/- किलो 10 एवं 20 किलो की पैकिंग
प्राप्ति स्थान
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
15 हनुमान रोड, नई दिल्ली - 1, मो. 9540040339

लम्बे समय के बाद पुनः पुस्तक मेलों में वैदिक साहित्य का प्रचार-प्रसार आरम्भ

राष्ट्रीय पुस्तक मेले लखनऊ में वैदिक साहित्य प्रचार एवं वैदिक संगोष्ठी सम्पन्न

9 अक्टूबर 2021 को राष्ट्रीय पुस्तक मेले लखनऊ के सभागार में, जिला आर्य प्रतिनिधि सभा लखनऊ द्वारा आयोजित वैदिक संगोष्ठी में, आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के प्रधान देवेन्द्र पाल वर्मा जी द्वारा, जनपद लखनऊ की विभिन्न आर्य समाजों के प्रतिनिधियों, वैदिक विद्वानों एवं सभागार में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए, "वेद परमात्मा द्वारा प्रदत्त संसार का सर्वप्रथम ज्ञान का भंडार है" विषय पर विद्वता पूर्ण एवं सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। जिसकी सभागार में उपस्थित जनसमूह द्वारा करतल ध्वनि से भूरि भूरि प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के पश्चात् प्रधान जी द्वारा, पुस्तक मेले में, जिला आर्य प्रतिनिधि सभा लखनऊ के सहयोग से लगाए गए, वैदिक साहित्य के स्टाल पर जाकर, आयोजकों का उत्साह वर्धन किया। पूरे कार्यक्रम में आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के उप प्रधान डॉ. भानु प्रकाश आर्य, सहा. कोषाध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव जी की सहभागिता निरन्तर बनी रही। वैदिक संगोष्ठी में वैदिक प्रवक्ताओं सर्वश्री डॉ. सत्यकाम आर्य,

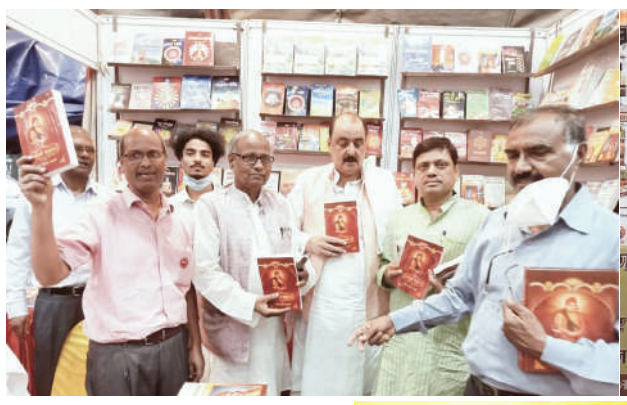

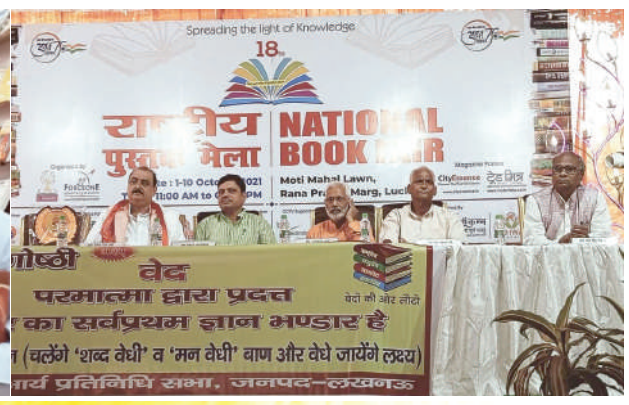

लखनऊ, आनन्द आर्य, कानपुर एवं नवनीत निगम प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा लखनऊ, द्वारा भी अपने विद्वता पूर्ण उद्बोधन से जनसामान्य को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन जिला आर्य प्रतिनिधि सभा लखनऊ के कर्मठ मंत्री श्री प्रबोध सागर जौहरी द्वारा किया गया। जिला आर्य प्रतिनिधि सभा लखनऊ के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगणों को, इस सफल कार्यक्रम के आयोजन हेतु बहुत बहुत बधाई।

– देवेन्द्र पाल वर्मा, प्रधान

ओ३म्
आर्य समाज की एक पहल
SAHYOG
सहयोग®
Powered by NEEL FOUNDATION
A SOCIAL INITIATIVE OF JBM GROUP
आपका सामान-जरूरतमंद की मुस्कान
(नए-पुराने कपड़े, किताबें, खिलौने, जूते-चप्पल आदि देकर सहयोग करें)
dss.sahyog/
dsssahyog/
dsssahyog/
सम्पर्क - 9540050322

सिविल सर्विसेज IAS/IPS परीक्षा की तैयारियों के लिए
आर्यसमाज का एकमात्र नि:शुल्क संस्थान
नि:शुल्क आर्य प्रतिभा विकास संस्थान नि:शुल्क
आवेदन की अन्तिम तिथि 8 नवमबर, 2021 - जल्दी करें

प्रतिभा आपकी - सहयोग हमारा
ARYA PRATIBHA VIKAS SANSTHAN
An Initiative of Arya Samaj
Inspired & Founded by Mahashay Dharampal
FREE
Announces Support to Meritorious & Deserving
UPSC CIVIL SERVICES EXAM
(IAS/IPS/IFS etc.) ASPIRANTS
at
SUSHIL RAJ
ARYA PRATIBHA VIKAS KENDRA
SHRI RAJKUMAR
FREE
Selected candidates will be provided Coaching, Training, Mentoring and Residential Facilities at our Delhi Center.
OUR SUCCESSFUL STUDENTS
ANIL KUMAR RATHOD
IAS, AIR 81,
UPSC CSE-2019
PODDISHETTY SRIJA
IAS, AIR 20,
UPSC CSE-2020
Interested candidates can apply online at
Website : www.pratibhavikas.org
Last Date For Registration : 08 November 2021
For more information contact:
9311721172, E-mail: dss.pratibha@gmail.com
Run by
Akhil Bharatiya Dayanand Sewashram Sangh

केरल में आर्यसमाज के शताब्दी समारोह के अवसर पर संकल्प 2025 - चिन्तन शिविर सम्पन्न

केरल में आर्यसमाज की स्थापना के शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में, वैदिक प्रचार और संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने के लिए 2-3 अक्टूबर को करलमन्ना वेदगुरुकुलम् में एक 'संकल्प 2025' का आयोजित किया गया। 2 अक्टूबर को वेल्लिनेली आर्यसमाज के अध्यक्ष श्री. वी. गोविन्द दास जी की अध्यक्षता में वेदगुरुकुलम् के कुलपति पंडित रत्नम् डॉ. पी.के. माधवन् जी ने शिविर का उद्घाटन किया। गुरुकुल के अधिष्ठाता श्री. के.एम. राजन जी ने स्वागत भाषण दिया। दो दिवसीय शिविर के दौरान वैदिक गुरुकुल के विकास, अध्ययन, वैदिक साहित्य के वितरण, धर्म जागरण और सेवा गतिविधियों जैसे विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। वेदगुरुकुलम् के संरक्षक श्री बलेश्वर मुनि ने आशीर्वचन प्रदान किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन सुभाष दुआ जी (महामंत्री भारतीय शुद्धिसभा, दिल्ली) ने किया। प्रत्याशा आर्यसमाज कौंसिलिंग सेन्टर के प्रधान श्री इंदिरा नायर की अध्यक्षता में के.एम. राजन जी ने विषय प्रस्तुत किया। इसके बाद शुद्धि कार्य की संभावनाओं और चुनौतियों, विभिन्न जिलों में गतिविधियों के समन्वय, शुद्धिकृत लोगों के पुनर्वास और कल्याण और निर्णय लेने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की योजना बना गई। सराय में विभिन्न हिन्दू संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। हिन्दूऐक्य वेदी की प्रान्तीय अध्यक्षा श्रीमती के.पी. शशिकला जी ने समापन बैठक में उद्बोधन किया।

स्वास्थ्य रक्षा

उत्तम स्वास्थ्य के सरल सूत्र

- प्रकृति के नियमों का पालन करना ही स्वस्थ रहने का आधार स्तम्भ हैं।
- सुबह सूर्य उदय से कम-से-कम 1/2 घंटे पहले बिस्तर त्याग देवें। अन्यथा सूर्य की प्रखर किरणें वास्तविक तेज व शक्ति को कमजोर करती हैं। उठते ही ईश्वर का धन्यवाद मन्त्रपाठ करें और अपने पूरे दिन को शान्ति और मधुरता के साथ बिताने का प्रण लें।
- सुबह उठते ही (उषा पान) दो-तीन गिलास रात्रि में घड़े या तांबे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीवें। पानी क्रमश: बढ़ाएं।
- पानी पीने के तुरन्त बाद अफारा या गैस हो तो तुरन्त थोड़ा गर्म पानी पीवें। अलार्म की तरह शौच जाने की नियमित आदत डालें।
- शौचादि से निवृत्त होकर खुली-ताजी हवा में बिना बातचीत के शरीर के अंग-अंग को हिलाते हुए 1-2-3 किलोमीटर यथा शक्ति घूमें। लौटने पर हल्का-सा विश्राम करके योगासन, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, ईश्वर उपासना जरूर करें।
- स्वच्छता एवं ताजगी के लिए प्रतिदिन बदन रगड़-रगड़ कर स्नान करें। साबुन का प्रयोग कम करें। शुद्धता के लिए मुल्तानी मिट्टी, बेसन, उबटन इत्यादि का प्रयोग करें।
- स्नान करते समय या सुबह उठने के पश्चात् स्वच्छ एवं ताजा पानी मुंह में भरकर आंखों में 8-10 बार छीटें मारें। श्वास फूलने पर मुंह का पानी निकाल दें। कम-से-कम यह क्रिया तीन बार करें। आंखों की रोशनी में चमत्कार होगा। त्रिफला को मिट्टी के बर्तन में भिगोकर, निथारकर, इस पानी से भी आंखें धो सकते हैं। किसी भी किस्म की आंखों की तकलीफ हो तो प्राकृतिक चिकित्सक की सलाह अवश्य लेवें।
- स्कूटर इत्यादि चलाते समय आंखों को धूल-धक्कड़ से बचाने के लिए अच्छा चश्मा अवश्य पहनें।
- दिन में 4-5 बार ठंडे सादे पानी से आंखों में छींटें देवें।
- विश्राम करने के लिए हल्के किस्म का बिस्तर या रूई का गद्दा प्रयोग करें।
- बाजू का तकिया बनावें या पतला तकिया प्रयोग करें।
- टी.वी. दूर से देखें एवम् उपयोगी दृश्य ही देखें।
- रात को अधिक देर तक न जागें।
- दवाई आकस्मिक स्थिति में ही सेवन करें। अधिक दवाइयां फायदा कम नुकसान ज्यादा देती हैं।
- हमेशा सीधे में बैठें या खड़े होवें। कमर सीधी रखें।
- गहरे श्वास-प्रश्वास लेवें।
- भोजन के तुरन्त बाद लघुशंका करने की आदत डालें।
  भोजन के बाद 5-15 मिनट वज्रासन में बैठें।
- दिन में कम से कम 8-10 गिलास (तीन लीटर) पानी पीवें।
- दिन में मुख्य भोजन दो बार ही भोजन करें। सुबह अल्पाहार जैसे जूस या अंकुरित या छाछ इत्यादि ले सकते हैं।
- शाम के भोजन के पश्चात् एक-दो किलोमीटर की सैर करें।
- भोजन सोने के बीच कम-से-कम दो-तीन घंटे का अन्तर रखें।
- भोजन सात्विक, रुचिकर, खूब चबा-चबाकर एवं थोड़ी गुंजाईश रखकर खावें।
- कच्चे आहार जैसे अंकुरित अन्न, सलाद, मौसम के अनुसार फल, प्राकृतिक पेय एवम् प्राकृतिक व्यंजन ज्यादा सेवन करें।
- भोजन के 1/2 घंटा पहले एवं एक घंटा बाद पानी पीवें।
- परिष्कृत एवम् गरिष्ठ भोजन से परहेज रखें।
- धूम्रपान, चाय, काफी, शराब, सॉफ्टड्रिंक्स तथा अन्य नशीले और मादक पदार्थ न लेवें।
- मांसाहार भोजन न लेवें।
- एकदम गरमागरम एवम् ठन्डे पेय एवं भोजन न लेवें।
  शरीर के तापमान पर ही भोजन करें।
- स्वस्थ रहने के लिए पानी उपचार एवं शुद्ध शाकाहारी भोजन औषधि के समान हैं।
- स्वस्थ होने पर सप्ताह में एक दिन रसाहार या फलाहार पर उपवास करें।
- कब्ज होने पर सादे पानी का एनिमा व्यवहार में लावें।
- जो लोग खाना आधा, पानी दो गुना, व्यायाम तीन गुना, हंसना चार गुना, ध्यान पांच गुना करते हैं वे बीमार न के बराबर होते हैं।
- सप्ताह के अवकाश में शरीर शोधन करें। शरीर की मालिश लेकर धूप स्नान का आनन्द उठावें।
- किसी भी किस्म का कष्ट हो तो प्राकृतिक उपचार ही लेवें।

जीवन के आधारभूत तत्वों में भोजन का स्थान

- स्वस्थ एवं साफ-सुथरा स्थान
- शुद्ध वायु शुद्ध जल
- पर्याप्त धूप खुला आकाश
- शारीरिक श्रम और कम भोजन
- अधिक काम-क्रोध-लोभ-मोह, मानसिक चिन्ता यह रोग को जन्म देते हैं।

Makers of the Arya Samaj : Maharishi Dayanand Saraswati

Continue From Last issue

Some people do not care for wealth but seek after fame. But Swami Dayanand did not care even forthis. When theArya Samaj was established at Lahore, its members requested him to permit them to call him their guru. But he did not approve of this. How could he was, indeed, free from all selfishness and wished to work only for God. He said, "God is the guru of us all. What will you call Him if you call me your guru? Please remember that I am born to put an end to this kind of thing. How can I myself approve of it?"

There is another story which shows the same thing. There once lived a poet named Shyam Dass, who was a great admirer of Swami Dayanand. One day he said to him, "You have done much for human beings, for which the Hindus in particular are very grateful to you. I think, out of our gratitude to you, we should build some memorial to your name." To this Swami Dayanand replied, "I do not want any thing of the kind. I do not wish to be remembered. I would sooner be forgotten. After my death I should prefer that my ashes be scattered over some field to be used as manure."

Swami Dayanand had the greatest regard for womanhood. Once he was taking a walk near Chiltaur in the company of his friends and admirers. He had not gone very far when he saw a temple. In front of it he saw many children playing, a sight which always pleased him very much. It is said that on that occasion he folded his hands and bowed to them. A Brahmin who was observing all this felt very pleased at it. He had not gone very far when he said, "You try your best to discredit idol-worship but you cannot. I was so pleased to see that you bowed before the idol in that temple." As soon as Swami Dayanand heard it he laughed and said, "It is wonderful how you have misunder stood me." Then he pointed to a girl about five years old, who was playing with the children.

"Do you see that little girl?" he asked.

"Yes, I do," said the Brahmin.

"It is to her I bowed," said Swami Dayanand. "She represents motherhood, which has created us all. Don't you think she deserves our respect?"

.....Swami Dayanand delivered another lecture at which the Commissioner was also present. During it Swami Dayanand said, "It is not an easy thing to speak the truth in this world. When I say something that I feel to be true, people get annoyed with me. One man comes and says that the Collector feels annoyed at my remarks. Another comes forward and says the Commissioner feels offended with me. A third man comes to me and says that the Governor will prosecute me for what I have been saying. But I wish to say only one thing to these people. I will speak the truth, at all costs. I do not care who feelsannoyed with it. I would do so even if any emperor were to feel offended with me. There is no greater sin than this, that a person should conceal from the world the truth as he sees it.....

"Yes, that is so," said the Brahmin, "I am sorry that I misunderstood you."

"There is no question of misunderstanding," said Swami Dayanand. "We must all honour women. It is they who build up nations."

Swami Dayanand was the kindest of persons. He was kind not only on men but also to beasts. Once he found a bullock-cart stuck in the mud on the road. The driver tried his utmost to urge the bullocks on, but they could not move forward. The driver whipped them again and again, but all in vain. The oxen tried their best and strained hard, but the cart did not move. When Swamij i saw this he felt much pity for them. He walked straight into the mud. First he unhamessed the oxen and then he himself dragged the cart out of the mud. In this way, he came to the rescue of the oxen.

Sometimes it is thought that Swami Dayanand was a great enemy of the Mohammadans and the Christians, but it is wrong to think like this. Swami Dayanand was a very good and noble person. He was liked equally by the Hindus, the Mohammadans and the Christians. It has already been pointed out that he had a large number of Mohammadan admirers, a fact which shows that he taught even the mohammadans to trust him. But he was trusted not only by ordinary Mohammadans. Great Mohammadans like Sir Sayyad ahmed also had a great regard for him, and were always pleased to listen to him. Even when Swami Dayanand came

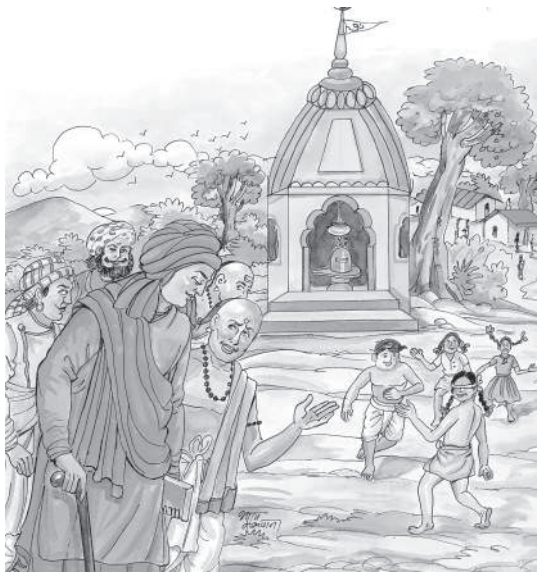

to Lahore, he found lodgings in the bungalow of a Mohammadan. On his death many Mohammadans felt sorry. They even wrote articles expressing grief at his death. They all said, "It is really the misfortune ofIndia that Swamiji has met with such an early death. Ifhe had lived longer he would have done a lot of good to this country."

The same was the case with the Christians. As soon as Col. Olcott learnt about his death he called a meeting of condolence. At it he made a vigorous speech in praise of Swami Dayanand.

Swami Dayanand had a fine sense of humour. Many a time this proved helpful to him. He used to say that it does one good to laugh sometimes. But Swamiji Dayanand not only laughed himself, he also made others laugh. He said once, "One who can laugh is always good-natured, and cannot be capable of much evil. On the other hand, a man who seldom laughs is bound to be an evil-minded person." Here are some stories which show Swami Dayanand's sense of humor.

To be continued.....

With thanks By: "Makers of Arya Samaj"

संस्कृत वाक्य प्रबोध — शरीरावयवप्रकरणम्

गतांक से आगे –

संस्कृत	हिन्दी
465. सर्वैर्जिह्वया स्वादो गृह्यते।	सब लोग जीभ से स्वाद लिया करते हैं।
466. वाचा च सत्यं प्रियं मधुरं सदैव वाच्यम्।	वाणी से सत्य, प्रिय और मधुर सब दिन बोलना चाहिये।
466. नैव केनचित्खल्वनृतादिकं वक्तव्यम्।	कभी किसी को झूठ नहीं बोलना चाहिये।
467. अयं सुदन् वर्त्तते।	यह अच्छे दांतोवाला है।
468. तव दन्ता दृढाः सन्ति वा चलिताः?	तेरे दांत दृढ़ हैं वा हिल गये हैं?
469. मम तु दृढा अस्य त्रुटिताः सन्ति।	मेरे तो दृढ़ हैं अर्थात् निश्चल हैं इसके टूट गये हैं।
470. मन्मुख एकोऽपि दन्तो नास्त्यतः कष्टेन भोजनादिकं करोमि।	मेरे मुख में एक भी दांत नहीं है इससे क्लेश से भोजन करता हूँ।
471. अस्य श्मश्रूणि लम्बीभूतानि सन्ति।	इसकी मूंछे लम्बी हैं।
472. तव चिबुकस्योपरि केशाः न्यूनाः सन्ति।	तेरी ठोड़ी के ऊपर बाल थोड़े हैं।
473. त्वया कण्ठ इदं किमर्थं बद्धम्?	तूने गले में यह किसलिये बांधा है?
474. अस्योरो विस्तीर्णमस्ति।	इसकी छाती बड़ी है।
475. त्वया हृदये किं लिप्तम्?	तूने छाती में क्या लगाया है?
476. इदानीं हेमन्तोऽस्त्यतः कुङ्कुमकस्तूर्यौ लिप्ते।	इस समय हेमन्त ऋतु है, इससे केसर और कस्तूरी लेपन किये हैं।
477. तथा हृत्शूलनिवारणायौषधम्।	वैसे हृदयशूल निवारण के लिये औषध।
478. माणवकः स्तनाद् दुग्धं पिबति।	लड़का स्तन से दूध पीता है।
479. पश्य! देवदत्तोऽयं लम्बोदरो वर्तते।	देख! यह देवदत्त बड़े पेटवाला अर्थात् तोंदवाला है।
480. अयन्तु खलु क्षामोदरः।	यह तो छोटे पेटवाला है।
481. तव पृष्ठे किं लग्नमस्ति?	तेरी पीठ में क्या लगा है?

क्रमशः – साभार :– संस्कृत वाक्य प्रबोध (प्रकाशित–दिल्ली संस्कृत अकादमी)

प्रेरक प्रसंग — आयशा का अपहरण हो गया

1931 ई. की घटना होगी। निजाम राज्य के मुसलमानों ने शोर मचा दिया कि आर्यनेता भाई श्यामलाल ने आयशा का अपहरण कर लिया है। आयशा कौन थी? एक दलित परिवार की देवी थी, जिसका अपहरण करके मुसलमानों ने उसका नाम आयशा रख दिया। हजरत मुहम्मद साहब की प्यारी छोटी बीबी का नाम भी आयशा ही था। इसलिए मुसलमानों को यह नाम बहुत प्यारा लगता है।

दुःखी परिवार किसे सुनावे? निजाम राज्य में कौन सुनता है। अब ईरान, पाकिस्तान व बंगलादेश में असंख्य मुल्ला चिल्ला रहे हैं। जेलों में सड़ रहे हैं। कौन सुनता है?

दुखिया परिवार ने दीनबन्धु प्रणवीर भाई श्यामलालजी को अपनी दुःखभरी कहानी सुनाई। शीश हथेली पर धरकर श्याम भाई व उनके सहयोगियों ने उस देवी का पता लगा लिया। उस बचाया। तब मुसलमानों ने शोर मचा दिया कि भाईजी ने आयशा का अपहरण कर लिया। एक निर्धन, असहाय हरिजन कुटुम्ब की लाज लूटकर जिन्हें लज्जा नहीं आई, उन लोगों ने भाई श्यामलालजी व अन्य कई आर्यों पर अभियोग चला दिया। अपहरण का यह अभियोग बहुत लम्बा चला।

आर्यनेता व आर्यवीरों को कितने कष्ट सहने पड़े। इसका स्मरण कर शरीर काँप उठता है। न जाने आर्यसमाज ने कितनी ऐसी देवियों की रक्षा की है। श्री देवीदासजी कानपुर का सारा जीवन ही इन संघर्षों में बीता है। ऐसे दिलजले आर्यवीरों का ऋण कौन चुका सकता है? आर्यसमाज का नारी–रक्षा का भी एक गौरवमय इतिहास है।

– प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु

साभार :

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी **: पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

खेद व्यक्त :– **खेद है कि प्रेस में तकनीकी खराबी होने के कारण आर्यसन्देश साप्ताहिक का गत अंक 49 वर्ष 44 दिनांक 18 अक्तूबर से 24 अक्तूबर, 2021 प्रकाशित नहीं हो सका। पाठकों को हुई असुविधा के लिए खेद है। –** ***सम्पादक***

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिक्षा के साथ-साथ रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल आर्यसमाज रानी बाग दिल्ली से यह योजना शुरू की जा रही है।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेश चंद्र आर्य ने कहा स्वावलंबन के क्षेत्र में वनवासी छात्र-छात्राओं का भविष्य उज्जवल बनेगा।

सार्वदेशिक सभा के मंत्री प्रकाश आर्य ने कहा इस रचनात्मक कार्य से जहां वनवासी क्षेत्रों के युवाओं का भविष्य उज्ज्वल बनेगा, वहीं उन्हें इससे प्राप्त प्रशिक्षण से जीविकोपोर्जन के महत्वपूर्ण साधन भी प्राप्त होंगे।

इस अवसर पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा प्रधान के धर्मपाल आर्य कहा कि महर्षि दयानंद ने ऐसी सामाजिक भ्रांतियां दूर की थी कि विदेश में जाने से धर्मभ्रष्ट हो जाता है। 150 वर्ष पूर्व जब देश परतंत्र था, उस समय महर्षि दयानंद सरस्वती ने श्यामजी कृष्ण वर्मा, लाला लाजपत राय, भगत सिंह के चाचा सरदार अजीत सिंह, लाला हरदयाल, वीर सावरकर आदि देशभक्त वीरों को छात्रवृत्ति देकर स्वावलंबी बनाया और स्वतंत्रता संघर्ष हेतु प्रेरित भी किया।

दिल्ली सभा के महामंत्री विनय आर्य ने कहा कौशल विकास योजना से हमारे गुरुकुलों, आर्य विद्यालयों के विद्यार्थियों को नई दिशा मिलेगी। महर्षि दयानंद ने आर्ष ग्रंथों में पत्र-लेखन से भी कौशल विकास योजना को वर्षों पहले प्रोत्साहित किया था। जे. बी. एम. ग्रुप के अधिकारी हर्ष प्रिय आर्य ने स्किल डवैल्पमैंट प्रोग्राम से प्रतिभा विकास व रोजगार की विशेष जानकारी दी।

संघ के महामंत्री जोगेन्द्र खट्टर ने बताया कि असम, नागालैंड, मिजोरम, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि के आदिवासी क्षेत्रों में भी शीघ्र ही कौशल विकास योजना शुरू की जाएंगी। इस अवसर पर आर्य अनाथालय के प्रमुख नितंजय चौधरी, ओ. पी. मनचंदा, रामलाल आहूजा, सतीश, सुनील शास्त्री, अन्नु ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

पू.दिल्ली वेद प्रचार मंडल, म.द.गौ संवर्धन केन्द्र गाजीपुर के तत्त्वावधान
महर्षि दयानन्द सरस्वती निर्वाण दिवस स्मृति यज्ञ एवं प्रेरणा सभा

पूर्वी दिल्ली वेद प्रचार मंडल, महर्षि दयानन्द गौ संवर्धन केन्द्र गाजीपुर एवं पूर्वी दिल्ली की समस्त आर्यसमाजों के तत्त्वावधान में महर्षि दयानन्द निर्वाण दिवस के अवसर पर 31 अक्तूबर, 2021 को 21 कुण्डीय स्मृति यज्ञ एवं प्रेरणा सभा का आयोजन सायं 3:30 बजे से 6:30 बजे तक महर्षि दयानन्द गौ सम्वर्धन केन्द्र गाजीपुर दिल्ली में किया जा रहा है। यज्ञ ब्रह्मा श्री शिव पूजन जी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री बच्चन सिंह आर्य, विशिष्ट अतिथि श्री विनय आर्य, सतीश आर्य, श्री सन्तराम जी होंगे। प्रेरक उद्बोधन दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी का होगा। *- अशोक गुप्ता, प्रधान*

शोक समाचार

डॉ. धीरज सिंह जी का निधन

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रधान डॉ. धीरज सिंह जी का दिनांक 22 अक्तूबर, 2021 को कैंसर से लम्बे समय तक ग्रसित रहने के बाद निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार 23 अक्तूबर को ग्राम नेकपुर, बुलन्दशहर (उ.प्र.) में पूर्ण वैदिक रीति के साथ उनकी सुपुत्री द्वारा मुखाग्नि प्रदान करके किया गया।

श्री धर्मपाल आर्य जी को भ्रातृशोक

आर्यसमाज मंगोलपुरी के सदस्य श्री धर्मपाल आर्य जी के छोटे भाई श्री दयाराम जी का दिनांक 14 अक्तूबर, 2021 को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार अगले दिन 15 अक्तूबर को मंगोलपुरी वाई ब्लाक शमशान घाट पर किया गया।

श्रीमती संध्या सक्सेना का निधन

स्त्री आर्यसमाज गौंडा (उ.प्र.) की प्रधाना एवं समाजसेवी श्रीमती संध्या सक्सेना आर्या जी का 23 अक्तूबर, 2021 को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया गया।

श्री पूरणमल जी का निधन

आर्यसमाज लक्सर के पूर्व प्रधान एवं वरिष्ठ सदस्य श्री पूरणमल का उनके आवास शिमली (बक्सर) में दिनांक 9 अक्तूबर, 2021 को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार शिमली में पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया गया।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

पृष्ठ 2 का शेष
बांग्लादेश की घटना पर कथित ...

साल 1991 में साढ़े दस फीसदी हिन्दू पाए गये। 2001 में 9.3 फीसदी 2011 में साढ़े आठ फीसदी हिन्दू बचे थे। अब 2021 में जैसे ही गणना होगी तो बमुश्किल 5 फीसदी मिलेंगे।

यानि एक सीधा सा फार्मूला है लूट और दूसरे समुदाय को बाहर करने का। क्योंकि रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा की मुख्य वजह उनकी जमीन हड़पने की कोशिश है। ढाका टाइम्स की रिपोर्ट में इस तथ्य की ओर इशारा भी किया गया है कि बार-बार मुस्लिम आबादी गरीब हिन्दुओं के घर जला देती है। घर जलने से ये हिन्दू परिवार पलायन करने को मजबूर होते हैं और जब वे पलायन कर जाते हैं तो उनकी जमीन पर ये लोग कब्जा कर लेते हैं।

एक राइट्स ग्रुप के मुताबिक बीते करीब 9 सालों में बांग्लादेश में हिन्दुओं को 3,721 घरों और मंदिरों में तोड़फोड़ झेलनी पड़ी है। ढाका ट्रिब्यून ने आइन ओ सालिश केंद्र की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि बीते 5 सालों में 2021 सबसे खतरनाक रहा है। इस साल हिन्दू समुदाय को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हमले झेलने पड़े। इस साल अब तक हिन्दू समुदाय को घरों और मंदिरों पर 1,678 हमलों का सामना करना पड़ा है। जो हालात आज है, साल 2014 में यही किया कुरान की कथित बेअदबी का आरोप और हिन्दुओं के 1,201 घरों में लूटपाट, बलात्कार और हिंसा। 1201 घर हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट बता रही है घर इससे कहीं ज्यादा भी हो सकते है। इस साल की बात करें तो अब तक इन लोगों ने हिन्दुओं के 196 घरों, ट्रेडिंग सेंटर्स, मंदिरों और मठों में लूटपाट की।

मसलन गजनवी, गौरी, बाबर और अब्दाली जो धंधा करते थे आज भी मजहब का नाम लेकर ये लूटपाट का वही धंधा जारी है। इसके बाद उदारवादी धड़ा सामने आता है कि अरे नहीं-नहीं ये तो जमात ए इस्लामी के लोग थे, फलाना संगठन इसके पीछे है, वरना इस्लाम में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और ये शांति प्रिय मजहब है। यानि दुनिया का बेवकूफ कट्टरपंथी नहीं बना रहे हैं वो तो मजहब के अनुसार मदरसों में पढाये जाने वाले सबक के अनुसार काम कर रहे है। उनके पीछे जो ये कथित उदारवादी बैठे हैं ये दुनिया का बेवकूफ बना रहे हैं। जिन्हें सूफी, सेकुलर और उदारवादी मुस्लिम कहा जाता है कारण बांग्लादेश जले या कश्मीर इनके चेहरे की शांति इनकी पोल खोल देती है। *- सम्पादक*

निर्वाचन समाचार

आर्यसमाज अमर कालोनी
लाजपत नगर-4, नई दिल्ली

प्रधान : श्री जितेन्द्र कुमार डाबर
मन्त्री : श्री ओम प्रकाश छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : श्री सुभाष आर्य

ओ३म्

वैदिक धर्म प्रचारक प्रकल्प

प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक

इच्छुक महानुभाव अपना विस्तृत आवेदन पत्र निम्न अनुसार भेजें

देश-विदेश में आर्य समाज के प्रचार-प्रसार हेतु प्रचारकों की आवश्यकता

वांछित योग्यताएँ

- युवा जिनकी आयु 18 से 30 वर्ष के मध्य हो
- गुरुकुलीय आर्ष पाठ विधि के साथ-साथ आधुनिक विषयों की भी शिक्षा प्राप्त की हो
- यज्ञ, भजन, प्रवचन के साथ-साथ सभी वैदिक संस्कार सम्पन्न कराने में निपुण हो
- आर्य समाज के प्रचार प्रसार की हार्दिक इच्छा रखता हो
- आर्य वीर दल का प्रशिक्षण प्राप्त हो

चयनित अभ्यर्थी को भाषा ज्ञान अनुभव व निपुणता के आधार पर उपयुक्त स्थानों पर नियुक्ति की जाएगी। सम्मानित मानदेय के अतिरिक्त वाहन व्यय, मोबाइल व्यय, स्वास्थ्य बीमा व आवास की सुविधा दी जाएगी।

डाक : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
संयोजक, वैदिक धर्म प्रचारक प्रकल्प
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001
संपर्क सूत्र : 7428894029
E-mail : aryasabha@yahoo.com

NEEL FOUNDATION
A SOCIAL INITIATIVE OF JBM GROUP

आओ मिलकर संगठन शक्ति बढ़ाएं, समाज को उन्नत बनाएं

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ

सत्यार्थ प्रकाश

सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन

कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650522778
E-mail : aspt.india@gmail.com

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 25 अक्तूबर, 2021 से रविवार 31 अक्तूबर, 2021

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2021-22-2023

LPC, DRMS, दिल्ली-6 में पोस्ट करने की तिथि 28-29/10/2021 (गुरु-शुक्रवार)

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2021-23

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 27 अक्तूबर, 2021

प्रतिष्ठा में,

खुशखबरी! खुशखबरी!!

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा

वर्ष 2022 का

कैलेण्डर प्रकाशित

मूल्य 1200/-रुपये सैंकड़ा

200 से अधिक प्रतियां के आर्डर देने पर नाम से प्रकाशित करने की सुविधा अतिरिक्त शुल्क (300/- सैकड़ा) पर उपलब्ध है। सम्पर्क करें-

व्यवस्थापक, प्रकाशन विभाग
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा (पं.),
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-1
दूरभाष : 011-23360150,
मो. 09540040339
ऑन लाइन खरीदें
bit.ly/VedicPrakashan

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह